ग्लोफ़ (हिमनद झील के टूटने से बाढ़)

क्या करें

- ग्लेशियर झील के फटने से अचानक नदी व नालों का जलस्तर कई गुना बढ़ जाता है इस बड़े हुए जल-स्तर से घरों, सड़कों, पुलों इत्यादि को नुक्सान हो सकता है ।
- अपने आस पास के नदी नालों में पानी के बढ़ते स्तर व आवाज के प्रति सतर्क रहें तथा यदि कोई चेतावनी मिलती है तो सुरक्षित स्थान पर चले जाएँ ।
- अपने पड़ोस के लोगों को तुरंत सूचित करें।
- स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी की गयी प्रारंभिक चेतावनियों को सुने।
- चूँकि भूकंप, भूस्खलन आदि द्वारा GLOF (ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड) उत्पन्न हो सकता है, इसलिए ऐसी घटनाओं के समय विशेष रूप से सतर्क रहें।
- आपातकालीन किट तैयार रखें – पीने का पानी, खाद्य पदार्थ, प्राथमिक चिकित्सा सामग्री टौर्च, रेडियो और अतिरिक्त बैटरियों का एक किट तैयार रखें ।
- बिजली उपकरण बंद करें – अपने घर के मुख्य बिजली स्विच और गैस आपूर्ति को बंद करें ।
- पानी पीने से पहले उबालें – पानी के शुद्ध होने पर संदेह हो तो उससे उबाल कर पिएं।
- सुरक्षित स्थान पर रहें – सरकारी निर्देशों का पालन करें और जब तक यह सुरक्षित न हो घर वापस न जाएँ ।
- कमजोर सरंचनाओं से दूर रहें – बिजली के खम्भों, तारों और पेड़ों से दूर रहें ।
- पानी का उपयोग ध्यान से करें – स्वच्छ पानी का संचय करें और उसका बुद्धिमानी से उपयोग करें।

क्या ना करें

- बहते पानी में न चलें – धाराएँ भ्रामक हो सकती है और उथले, तेज बहते पानी से आप गिर सकते हैं ।
- तेज बहते पानी में न तैरें - आप बह सकते हैं या पानी में किसी वस्तु से टकरा सकते हैं ।
- बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से न गाडी चलाएं – आपको अचानक से होने वाले गड्ढे दिखाई नहीं देंगे और आधा मीटर बाढ़ का पानी भी कार को बहा सकता है । बाढ़ के पानी में गाडी चलाने से आसपास की सम्पति को भी अतिरिक्त नुक्सान हो सकता है ।
- ऐसा कोई भी खाना न खाएं जो बाढ़ के पानी के संपर्क में आया हो।
- अफवाहों पर विश्वास न करें – केवल विश्वसनीय और आधिकारिक स्त्रोतों से मिली जानकारी पर विश्वास करें।

बाढ़ की तैयारी के लिए किट

- ❖ नकद
- ❖ पीने का पानी
- ❖ सात दिनों तक चलने वाला गैर-विनाशकारी खाद्य पदार्थ।
- ❖ प्राथमिक चिकित्सा किट

  - ✓ आवश्यक दवाइयाँ
  - ✓ चोटों के लिए मलहम
  - ✓ कैंची
  - ✓ मेडिकल चिपकने वाला टेप
  - ✓ पट्टी
  - ✓ ओआरएस

- ❖ टॉर्च, कपड़े और बैटरी
- ❖ टॉयलेटरीज़-स्वच्छता संबंधी सामान
- ❖ महत्वपूर्ण दस्तावेज़
- ❖ बुजुर्गों और शिशुओं के लिए भोजन, डायपर, दवाइयाँ आदि।

समुद्री टापू, ग्लेशियल झील – **क्षेत्रफल** (165 हेक्टेअर), लाहौल और स्पीति

LiFE Lifestyle for Environment

क्या करें और क्या न करें GLOFs

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (HPSDMA) और ईआईएसीपी- पीसी हब (EIACP-PC Hub), हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद (HIMCOSTE)

गीपांग गत, ग्लेशियल झील, लाहौल और स्पीति , क्षेत्रफल (110 हेक्टेयर)

हिमाचल हिमालय में रावी, चिनाब, सतलुज और ब्यास हिमपोषित बेसिन हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, इन बेसिनों के ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं और इस प्रक्रिया में ग्लेशियरों के सामने बड़ी संख्या में ग्लेशियर झीलों का निर्माण हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में 2019 के डेटाबेस के अनुसार कुल 1,117 झीलों की पहचान की गई है।

सतलुज बेसिन की झीलों की संख्या	चिनाब बेसिन की झीलों की संख्या	ब्यास बेसिन की झीलों की संख्या	रावी बेसिन की झीलों की संख्या	कुल ग्लोफ
562	424	93	38	1117

हिमाचल प्रदेश में GLOFs की संख्या

ग्लेशियर और हिमनद झीलें

- ग्लेशियर बर्फ का एक ऐसा ढेर है जो सघन बर्फ से बना होता है और जो अपने वजन के कारण ज़मीन पर बहता है। जब ग्लेशियर पिघलते हैं, तो पानी जमा हो जाता है और झीलें बन जाती हैं जिन्हें ग्लेशियल झीलें कहते हैं। इन झीलों का निर्माण ग्लेशियरों के सामने के हिस्सों में अवरोध के कारण हो रहा है और इनमें पानी की बड़ी मात्रा है।
- ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) वह बाढ़ है जो तब होती है जब ग्लेशियल झील का मोरेन बांध टूट जाता है और पानी की भारी मात्रा विस्थापित हो जाती है। इससे जान-माल का गंभीर नुकसान हो सकता है।

ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) तब होता है जब ग्लेशियर या मोरेन द्वारा बांधा गया पानी अचानक छूट जाता है। यह कई कारकों के कारण हो सकता है जैसे :

- कटाव: निरंतर पानी का प्रवाह समय के साथ प्राकृतिक बांध को नष्ट कर सकता है।
- पानी का दबाव: पानी के दबाव के निर्माण से बांध विफल हो सकता है।
- हिमस्खलन या चट्टानें गिरना: ये पानी को विस्थापित कर सकते हैं और बांध के ऊपर से पानी भर सकता है।
- भूकंप: भूकंपीय गतिविधि बांध को कमजोर या तोड़ सकती है।
- ग्लेशियर का पतन: यदि ग्लेशियर का एक बड़ा पर्याप्त हिस्सा टूट जाता है और बड़े पैमाने पर अपने आधार पर एक हिमनद झील में पानी को विस्थापित करता है।